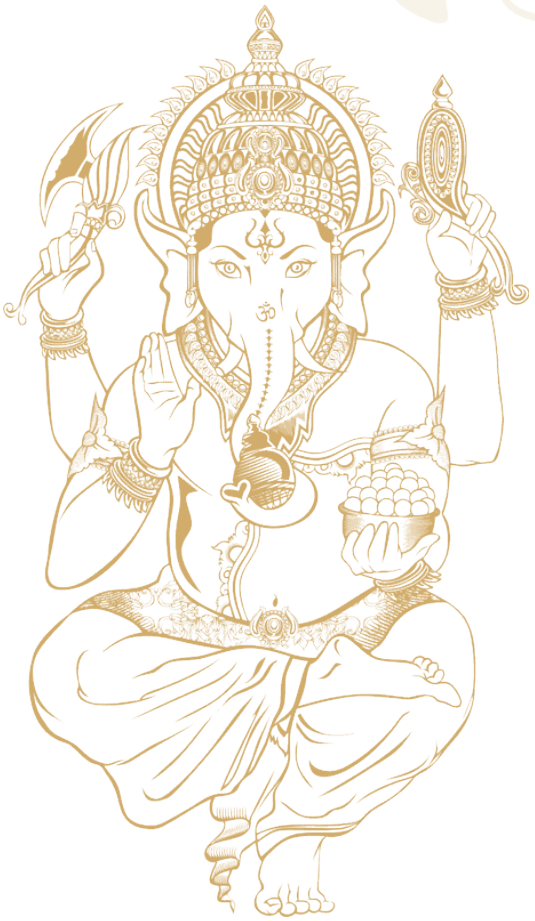

Suraj

28 Jan 1998

05:20 PM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 120905803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/01/1998**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:20:00 घंटे**
इष्ट	25:08:30 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:55:56 घंटे
वेलान्तर	-00:12:55 घंटे
साम्पातिक काल	01:26:06 घंटे
सूर्योदय	07:16:36 घंटे
सूर्यास्त	17:57:40 घंटे
दिनमान	10:41:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:31:25 मकर
लग्न के अंश	07:24:42 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:24:42	305:13:46	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			मक	14:31:25	01:00:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	17:46:41	14:27:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	08:36:57	00:47:19	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध			धनु	28:15:29	01:30:31	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	04:31:58	00:14:01	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र	व		धनु	26:04:45	00:20:26	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			मीन	21:20:46	00:04:23	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	16:57:28	00:03:14	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	16:57:28	00:03:14	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	14:51:18	00:03:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:08:50	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:44:12	00:01:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	29:25:58	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:45

लग्न-चलित

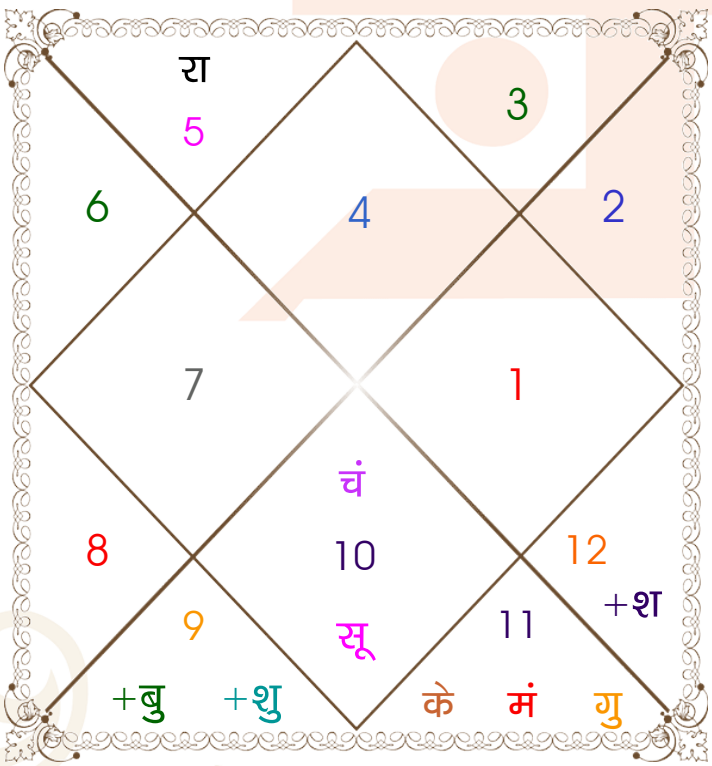

चन्द्र कुंडली

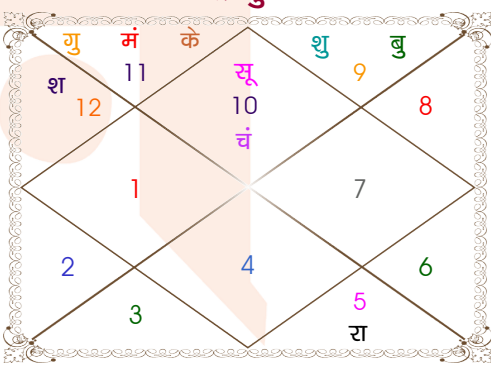

नवमांश कुंडली

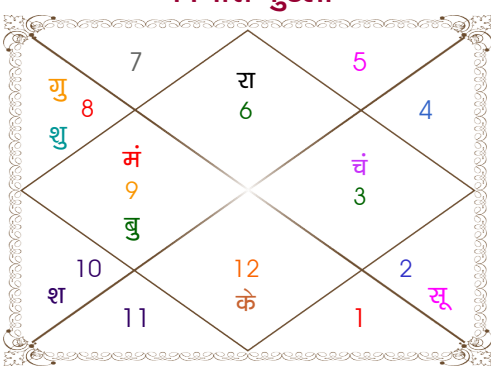

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 1 मास 30 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/01/1998		30/03/2002		30/03/2009		30/03/2027		30/03/2043	
30/03/2002		30/03/2009		30/03/2027		30/03/2043		30/03/2062	
	00/00/0000	मंगल	26/08/2002	राहु	11/12/2011	गुरु	17/05/2029	शनि	02/04/2046
	00/00/0000	राहु	14/09/2003	गुरु	06/05/2014	शनि	29/11/2031	बुध	10/12/2048
	00/00/0000	गुरु	20/08/2004	शनि	12/03/2017	बुध	06/03/2034	केतु	19/01/2050
	00/00/0000	शनि	28/09/2005	बुध	29/09/2019	केतु	10/02/2035	शुक्र	21/03/2053
	28/01/1998	बुध	26/09/2006	केतु	16/10/2020	शुक्र	11/10/2037	सूर्य	03/03/2054
बुध	30/06/1999	केतु	22/02/2007	शुक्र	17/10/2023	सूर्य	30/07/2038	चंद्र	02/10/2055
केतु	29/01/2000	शुक्र	23/04/2008	सूर्य	10/09/2024	चंद्र	29/11/2039	मंगल	10/11/2056
शुक्र	28/09/2001	सूर्य	29/08/2008	चंद्र	12/03/2026	मंगल	04/11/2040	राहु	17/09/2059
सूर्य	30/03/2002	चंद्र	30/03/2009	मंगल	30/03/2027	राहु	30/03/2043	गुरु	30/03/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/03/2062		30/03/2079		30/03/2086		31/03/2106		31/03/2112	
30/03/2079		30/03/2086		31/03/2106		31/03/2112		00/00/0000	
बुध	26/08/2064	केतु	26/08/2079	शुक्र	30/07/2089	सूर्य	19/07/2106	चंद्र	29/01/2113
केतु	23/08/2065	शुक्र	26/10/2080	सूर्य	30/07/2090	चंद्र	17/01/2107	मंगल	30/08/2113
शुक्र	23/06/2068	सूर्य	02/03/2081	चंद्र	30/03/2092	मंगल	25/05/2107	राहु	01/03/2115
सूर्य	29/04/2069	चंद्र	01/10/2081	मंगल	30/05/2093	राहु	18/04/2108	गुरु	30/06/2116
चंद्र	29/09/2070	मंगल	28/02/2082	राहु	29/05/2096	गुरु	04/02/2109	शनि	29/01/2118
मंगल	26/09/2071	राहु	18/03/2083	गुरु	28/01/2099	शनि	17/01/2110	बुध	29/01/2118
राहु	14/04/2074	गुरु	22/02/2084	शनि	31/03/2102	बुध	23/11/2110		00/00/0000
गुरु	20/07/2076	शनि	02/04/2085	बुध	29/01/2105	केतु	31/03/2111		00/00/0000
शनि	30/03/2079	बुध	30/03/2086	केतु	31/03/2106	शुक्र	31/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 1 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।